Title: Request to develop the Bundelkhand region in Madhya Pradesh as tourist centre.

डॉ.रामकृष्ण कुसमरिया (दमोह) : अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश में बुंदेलखंड बहुत पिछड़ा हुआ इलाका है जहां पर्यटन विकास की काफी संभावनायें हैं। वहां पर सारंग मंदिर, मुखनाथ, सिद्धनाथ, पाण्डव जलप्रपात और अनेक ऐसे स्थल हैं जिनको पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा सकता है। कालिंजर, खजुराहो, ओरच्छा के अलावा नैनीगिरी, कुंडलपुर, बांधवपुर, भीमकुंड तथा जटाशंकर ऐसे सौन्दर्यपूर्ण स्थल हैं जिनको पूरे बुंदेलखंड में जबलपुर से मिलाकर चित्रकूट तक और चित्रकूट से ओरच्छा तक मिलाकर पर्यटक केन्द्र के रूप में विकसित करके इस पिछड़े हुये इलाके में आवागमन की सुविधा दी जा सकती है। अध्यक्ष महोदय, इस शून्यकाल के माध्यम से इस इलाके के विकास के लिये पर्यटन की सुविधायें मुहैया कराई जाये, यही निवेदन है।